एम. कॉम
चतुर्थ सत्र

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम)

सत्रीय कार्य

2023–2024

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

सत्रीय कार्य – 2023–2024

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2023 और जनवरी 2024)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2023** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2024** तक है।

2. जो **जनवरी 2024** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2024** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -01/ टी. एम. ए. / 2023 – 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वातावरण को परिभाषित कीजिए। सूक्ष्म और स्थूल पर्यावरण के बीच उदाहरण सहित अंतर बताएं। **(10+10)**

(ख) राजनीतिक जोखिम क्या है ? राजनीतिक जोखिम के प्रमुख प्रकारों पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

2. (क) विश्व अर्थव्यवस्था में टीएनसी (TNC) के उद्भव की व्याख्या करने वाले विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। **(10+10)**

(ख) मेजबान देश और निवेश करने वाले देश के लिए टीएनसी (TNC) संचालन के मुख्यलाभ और हानि पर प्रकाश डालें।

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी करें:** **(4X5)**

(क) "टैरिफ बाधाएं व्यापार को प्रतिबंधित करने और घरेलू आयात प्रतिस्पर्धी उद्योग को सुरक्षा देने का एकमात्र साधन नहीं है" ।

(ख) "सभी अनुबंध समझौते हैं लेकिन सभी समझौते अनुबंध नहीं है"।

(ग) "भारतीय विदेश व्यापार नीति प्रौद्योगिकी के आयात की सुविधा नहीं देती है"।

(घ) "नियोक्लासिकल मॉडल में मुक्त व्यापार न केवल दोनों देशों में सापेक्ष वस्तु की कीमत को बराबर करता है बल्कि सापेक्ष मजदूरी दर को भी बराबर करता है"।

4. **निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए**: **(4X5)**

(क) कस्टम यूनियन और कॉमन मार्केट

(ख) गैट (GATT) और डब्ल्यूटीओ (WTO)

(ग) निर्यात बिक्री अनुबंध और घरेलू बिक्री अनुबंध

(घ) स्पष्ट अनुबंध और निहित अनुबंध

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **(4X5)**

(क) वैश्वीकरण के बारे में पोर्टर का दृष्टिकोण

(ख) नैतिक विश्लेषण के लिए होस्मर का मॉडल

(ग) आर्थिक विकास में सेवाओं की भूमिका

(घ) माल की बिक्री अधिनियम, 1930

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06/ टी. एम. ए. / 2022 - 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) अंतर्राष्ट्रीय रोकड़ प्रबंधन से आप क्या समझते हैं ? इसकी आवश्यकता एवं महत्व पर चर्चा करें। **(10)+(10)**
(ख) रोकड़ प्रबंधन में रोकड़ चक्र के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. विनिमय जोखिम प्रबंधन के केन्द्रीकरण और विकेंद्रीकरण को निर्धारित करने वाले कौन – कौन से कारक हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ उन नीतियों पर चर्चा कीजिए जिनकी आप भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए सिफारिश करेंगे। **(20)**

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणियां कीजिए :** **(4X5)**
(क) "प्रतिकूल भुगतान शेष (BOP) स्थिती को ठीक करने के लिए अवमूल्यन सबसे कम प्रभावी उपाय है" ।
(ख) "विनिमय दरों में परिवर्तन का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और पूंजी प्रवाह के पैटर्न पर मौलिक प्रभाव नहीं पड़ता है" ।
(ग) "विदेशी निवेश (FDI) से समय और परिवहन लागत बचती है" ।
(घ) "कर नीति का विदेशी निवेश पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है" ।

4. **निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए :** **(4X5)**
(क) प्राथमिक होल्डिंग कंपनी और इंटरमिडीएट होल्डिंग कंपनी
(ख) समामेलन और विलय
(ग) रियायती रोकड़ प्रवाह (DCF) और गैर- रियायती रोकड़ प्रवाह (Non-DCF) तकनीकें
(घ) लाभांश मूल्यांकन मॉडल और पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल

5. **निम्नलिखित पर संक्षेप में व्याख्या कीजिए** : **(4X5)**
(क) अंतर्राष्ट्रीय धन हस्तांतरण तंत्र
(ख) पुर्नखरीद समझौते
(ग) भारत में मुद्रा व्युत्पन्न बाजार
(घ) व्यावसायिक पर्यावरण जोखिम सूचकांक